दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

दिसंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ **5**

- मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत मानदेय का भुगतान अब पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम से 5
- नई दिल्ली में खुला 'संगवारी छत्तीसगढ़' 5
- छत्तीसगढ़ में 'ओमिक्रोन'के लिये होगी हेल्प डेस्क 6
- राज्यस्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ गठित 6
- वृत्त स्तरीय चयन प्रतियोगिता 7
- छत्तीसगढ़ को मिले तीन राष्ट्रीय पुरस्कार 7
- इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट का 69वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 8
- छत्तीसगढ़ का प्रथम मखाना प्रसंस्करण 8
- छत्तीसगढ़ को मिला मोस्ट इंप्रूव्ड स्टेट इन एनवायरनमेंट अवार्ड 9
- पर्यावरण योद्धा अवार्ड 9
- कायाकल्प स्वच्छ अस्पताल योजना में रायपुर को मिला सांत्वना पुरस्कार 10
- एशियन थाईबॉक्सिंग में रजत पदक 11
- कृषक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह 11
- छत्तीसगढ़ की तीन योजनाओं को मिली राष्ट्रीय स्तर में पहचान 12
- सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिये बर्तन बैंक का किया गया शुभारंभ 12

नोट :

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए महत्त्वपूर्ण निर्णय 13
- इको लर्निंग सेंटर दुधावा और इको पर्यटन स्थल कोडार का लोकार्पण 14
- इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च का लोकार्पण 15
- लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 15
- अंतर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन स्पर्धा-2021 16
- विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिये छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ी चयनित 16
- सोनाखान को तहसील बनाने की घोषणा की 16
- छत्तीसगढ़ राज्य हरित परिषद 17
- डिजिटल हेल्थ आईडी 17
- रायपुर में 'रन फॉर सीजी प्राइड'का आयोजन 18
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बुनकरों के हित में बड़ा फैसला 19
- 'छै कोरी, छै आगर तरिया अऊ बूढ़ा नरवा'पुस्तक का विमोचन 19
- ई-श्रम कार्ड बनाने में गरियाबंद ज़िला प्रदेश में पहले स्थान पर 19
- मनरेगा के दो नए लोकपाल नियुक्त 20
- छत्तीसगढ़ विधानसभा ने पारित किया अनुपूरक बजट, 5 विधेयक 20
- सीसीटीएनएस और आईसीजेएस में गुड प्रेक्टिस के लिये देशभर में छत्तीसगढ़ को मिला दूसरा स्थान 21
- वरिष्ठ सर्जन डॉ. फैजुल को मिला स्वास्थ्य रत्न पुरस्कार 21
- केशकाल एडवेंचर फेस्टिवल का शुभारंभ 22
- 'गोठान मैप'मोबाइल ऐप 22
- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बना मलेशियाई विश्वविद्यालय का भागीदार 23

नोट :

- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के अंतर्गत गरियाबंद ज़िला का चयन 23
- छत्तीसगढ़ के सभी परिवहन कार्यालयों में होगा सेंसर आधारित ड्राइविंग टेस्ट ट्रेक 24
- 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स'के स्टॉल को अंतर्राष्ट्रीय हर्बल मेला में मिला प्रथम स्थान 24
- सुशासन सूचकांक 2021 में छत्तीसगढ़ 25
- 'कहत कबीर' पुस्तक 25
- देश का प्रथम 'स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र' 25
- नीति आयोग स्वास्थ्य सूचकांक 2021 में छत्तीसगढ़ 26
- मुख्यमंत्री ने किसान सम्मेलन में किसानों को किया सम्मानित 26
- गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय परेड के लिये छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना की झाँकी चयनित 27
- एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्यस्तरीय क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता का समापन 28
- नए साल से स्कूलों में भाषा और गणितीय कौशल के लिये चलेगा अभियान 28

The Vision

नोट :

छत्तीसगढ़

मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत मानदेय का भुगतान अब पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम से

चर्चा में क्यों ?

- 30 नवंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के लोक शिक्षण आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने 'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण' (पूर्व में मध्याह्न भोजन योजना) के अंतर्गत कुकिंग कास्ट और रसोईयों के मानदेय का भुगतान पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) के माध्यम से करने के संबंध में सभी ज़िला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही डॉ. कमलप्रीत सिंह ने राज्य शासन द्वारा कुकिंग कास्ट और रसोईया मानदेय के लिये 309 करोड़ रुपए की राशि भी जारी किया।
- ज़िला शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि मध्याह्न भोजन का नाम बदलकर अब प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण कर दिया गया है। इस योजना का संचालन केंद्र और राज्य शासन के माध्यम से हो रहा है।
- भारत सरकार द्वारा की गई नई व्यवस्था के तहत अब प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत जारी होने वाली राशि ज़िला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड ज़िला शिक्षा अधिकारी के खाते में नहीं जाएगी।
- कुकिंग कास्ट और रसोईयों के मानदेय का भुगतान पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) के माध्यम से होगा।
- ज़िला शिक्षा अधिकारियों को जारी दिशा-निर्देश में कहा गया है कि हर माह की 10 तारीख को रसोईयों का भुगतान किया जाना है और ज़िला शिक्षा अधिकारियों को इस कार्य की मॉनिटरिंग की ज़िम्मेदारी दी गई है।

नई दिल्ली में खुला 'संगवारी छत्तीसगढ़'

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी ने नई दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग (पूर्व में रेसकोर्स रोड) स्थित वायु सेना के न्यू विलिंगडन कैंप के संतोषी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 'संगवारी छत्तीसगढ़' केंद्र का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ खादी और ग्रामोद्योग के प्रसिद्ध उत्पादों को दिल्ली में लोगों को अधिक आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस केंद्र को खोला गया है।
- इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की प्रबंध निदेशक रेखा शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ग्रामीण अंचलों में रोज़गार के अवसरों का सृजन कर ग्रामीणों में आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ बुनकरों और कारीगरों द्वारा तैयार किये गए उत्पादों का बेहतर बाज़ार उपलब्ध कराता है। इसी कड़ी में 'संगवारी छत्तीसगढ़' नाम से यह विक्रय केंद्र देश की राजधानी में अपनी नई पहचान बनाएगा।
- इस विक्रय केंद्र में छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी शूटिंग वस्त्र, खादी सर्टिंग वस्त्र, खादी गमछा, खादी जैकेट, खादी कुर्ता, खादी पायजामा, खेस चादर, कोसा साड़ी, कोसा कुर्ती पीस, जुट पर्स और बाँस की बनी सिनरी, मिट्टी के प्रिंटेड थाली सेट और हर्बल सामग्रियों का विक्रय किया जाएगा।

नोट :

छत्तीसगढ़ में 'ओमिक्रोन'के लिये होगी हेल्प डेस्क

चर्चा में क्यों ?

- 30 नवंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने बताया कि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, राज्य के सभी तीन हवाई अड्डों- रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर में कोविड-19 एवं उसके नए संस्करण 'ओमिक्रोन'की स्क्रीनिंग के लिये हेल्प डेस्क स्थापित की जाएंगी।

प्रमुख बिंदु

- हेल्प डेस्क विदेशों से आने वाले व्यक्तियों से कोविड-19 टेस्ट, टीकाकरण, क्वारेंटाइन और कोरोना के लक्षणों की जानकारी मांगेंगी।
- यह दक्षिण अफ्रीका में पाए जाने वाले कोरोना वायरस 'ओमिक्रोन'के नए संस्करण के मद्देनज़र निगरानी और व्यापक सावधानियों का हिस्सा है।
- जिन व्यक्तियों ने भारत आने के बाद सात दिन की क्वारेंटाइन अवधि पूरी नहीं की है, उन्हें सात दिन का होम क्वारेंटाइन सुनिश्चित करने के लिये कहा जाएगा।
- आठवें दिन उनका रियल टाइम पोलीमरेज चेन रिएक्शन (आरटी-पीसीआर) टेस्ट होगा। यदि परीक्षण सकारात्मक आता है, तो नमूना संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण (WGS) के लिये भेजा जाएगा।
- इसके अलावा, विभाग ने सभी ज़िलों को किसी भी नए प्रकार की रोकथाम और त्वरित पहचान के हिस्से के रूप में कोविड -19 परीक्षणों की संख्या में वृद्धि करने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कोरोना टेस्टिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

राज्यस्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ गठित

चर्चा में क्यों ?

- 2 दिसंबर, 2021 को भारत सरकार द्वारा राज्यस्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ (प्राधिकरण, छत्तीसगढ़) का गठन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इसके गठन के लिये भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा विगत दिवस 23 नवंबर, 2021 को अधिसूचना जारी कर दी गई थी। संबंध में राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे केंद्र सरकार द्वारा यथावत स्वीकार किया गया।
- जारी अधिसूचना के तहत पूर्व प्रधान व मुख्य वन संरक्षक, छत्तीसगढ़ वन विभाग देवाशीष दास को प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ का अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह सहायक आचार्य रसायन विभाग, नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर डॉ. दीपक सिन्हा को सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड, नवा रायपुर अटल नगर इसके सदस्य-सचिव होंगे।
- इसी तरह प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ की सहायता के प्रयोजन के लिये भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के परामर्श से राज्यस्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) छत्तीसगढ़ का गठन किया गया है।
- उक्त एसईएसी, छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्य वन संरक्षक और पूर्व अपर प्रबंध निदेशक छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम डॉ. बी.पी. नॉनहरे को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके सदस्यों में धातु शोधन और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान डॉ. मनोज कुमार चोपकर, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता महानदी परियोजना रायपुर प्री ध्रुव, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन विद्यालय, पंडित रविशंकर शुक्ल, विश्वविद्यालय डॉ. शैलेश कुमार जाधव, नवाजेदवन सोसायटी पचपेड़ी नाका रायपुर श्री एन.के. चंद्रिका तथा आचार्य इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग महाविद्यालय जगदलपुर डॉ. मोहम्मद रफीक खान शामिल हैं। उप सचिव आवास और पर्यावरण विभाग छत्तीसगढ़ एसईएसी छत्तीसगढ़ के सदस्य-सचिव होंगे।

नोट :

- यह प्राधिकरण छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी, छत्तीसगढ़) की सिफारिशों पर अपना निर्णय लेगा।
- प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ और एसईएसी, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एवं सदस्य अपने कार्यकाल के दौरान ऐसी किसी भी परियोजना के लिये पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए), पर्यावरण प्रबंधन योजना तैयार करने में न तो कोई परामर्श देंगे, न ही उससे जुड़ेंगे, जिसका मूल्यांकन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ और एसईएसी, छत्तीसगढ़ द्वारा किया जाना है।
- यदि गत 5 वर्ष में प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ और एसईएसी, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष या किसी सदस्य ने किसी परियोजना प्रस्तावक के लिये कोई परामर्श सेवा प्रदान की है या ईआईए अध्ययनों का संचालन किया है, ऐसी स्थिति में, वे ऐसे प्रस्तावकों द्वारा प्रस्तावित की जाने वाली किसी परियोजना के मूल्यांकन की प्रक्रिया में प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ और एसईएसी, छत्तीसगढ़ की बैठकों में स्वयं सम्मिलित होने से बचेंगे।

वृत्त स्तरीय चयन प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

- 2 दिसंबर, 2021 तक कांकेर वृत्त स्तर से खिलाड़ियों का चयन करने हेतु वृत्त स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन नगर सेनानी ग्राउंड सिंगारभाट एवं शासकीय नरहरदेव ग्राउंड कांकेर में स्थित इन्डोर स्टेडियम में संपन्न किया गया।

प्रमुख बिंदु

- कांकेर वन वृत्त के मुख्य वन संरक्षक राजू आगसिमनी द्वारा 1 दिसंबर को समस्त खिलाड़ियों को शपथ वाचन के साथ वृत्त स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा की गई।
- प्रतियोगिता में वनवृत्त कांकेर के अंतर्गत वनमंडल कांकेर, नारायणपुर, कोंडागाँव, केशकाल, पूर्व भानुप्रतापपुर, पश्चिम भानुप्रतापपुर एवं वन विकास निगम अंतागढ़ (भानुप्रतापपुर) के 168 नियमित अधिकारियों ने, कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया।
- प्रत्येक प्रतिस्पर्धा के लिये राष्ट्रीय कीर्तिमानों को आधार मानकर प्रतिभागियों का चयन राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिये किया जाएगा। कांकेर वृत्त स्तरीय खेलकूद के नोडल अधिकारी अरविंद पी.एम. (भा.व.से.) वनमंडलाधिकारी कांकेर हैं।
- उल्लेखनीय है कि वन जलवायु एवं परिवर्तन विभाग के अंतर्गत प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन माह फरवरी 2022 में पंचकूला (हरियाणा) में किया जाएगा, जिसके लिये इन खिलाड़ियों का चयन किया गया है।
- विगत वर्ष 25वीं वन खेलकूद प्रतियोगिता भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित की गई थी।

छत्तीसगढ़ को मिले तीन राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 3 दिसंबर, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के कल्याण के उत्कृष्ट कार्यों के लिये छत्तीसगढ़ को तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया ने राष्ट्रपति के हाथों ये पुरस्कार ग्रहण किये।
- दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों को ब्रेल लिपि में पाठ्य पुस्तक, साहित्य एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकों के साथ ही सुगम्य पुस्तकालय के अंतर्गत ई-पुस्तकालय में ऑनलाइन शिक्षण में उल्लेखनीय कार्य के लिये ब्रेल प्रेस बिलासपुर को नेशनल अवार्ड मिला है।
- बिलासपुर स्थित ब्रेल प्रेस ने दृष्टिबाधितों के लिये पाठ्य सामग्री, साहित्य तैयार करने के साथ निर्वाचन हेतु मतपत्र तैयार किया है। इसके साथ ही ब्रेल प्रेस की दृष्टिहीनों के लिये ऑनलाइन पुस्तकालय की सुविधा से विद्यार्थियों को कोरोना काल में बहुत मदद मिली है।
- इसके अलावा नवा रायपुर अटल नगर में दिव्यांगजनों के लिये सड़क, भवन, सार्वजनिक स्थल तथा अन्य स्थानों पर बाधारहित वातावरण निर्माण करने, दिव्यांगजनों के लिये शौचालय निर्माण आदि कार्यों के लिये नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

नोट :

- साथ ही समता कॉलोनी रायपुर में नुक्कड़ टी कैफे वेंचर्स, एल.एल.पी. द्वारा श्रवण बाधित दिव्यांग व्यक्तियों को स्वरोज़गार से जोड़ने के लिये नुक्कड़ टी कैफे का संचालन कुशलतापूर्वक किया जा रहा है। इसमें श्रवण बाधित व्यक्तियों द्वारा जनसामान्य को अपनी सेवाएँ दी जा रही हैं। समाज में दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक वातावरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य के लिये उन्हें भी राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट का 69वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

- 3 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट के 69वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुईं।

प्रमुख बिंदु

- यह सम्मेलन 'ए मीटिंग ऑफ माइंड्स टू रिवाईस, एडवांस्ड प्रेक्टिसेस एंड प्रोग्रेस इन पैथोलॉजी' विषय पर आधारित था।
- इस सम्मेलन के लिये 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है और 600 से 700 वैज्ञानिकों द्वारा पोस्टर एवं पेपर्स प्रस्तुत किये जा रहे हैं।
- इस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के द्वारा पैथोलॉजी विषय की विभिन्न उपशाखाओं, जैसे- हिस्टोपैथोलॉजी, सायटोलॉजी, क्लिनिकल पैथोलॉजी, मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी पर व्याख्यान दिये गए।
- राज्यपाल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा विज्ञान में पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी का महत्त्वपूर्ण योगदान है। कोरोना जैसी भयानक महामारी की पहचान भी हम पैथोलॉजी विज्ञान के माध्यम से कर पाए हैं और इसका हम बचाव भी कर रहे हैं।
- पैथोलॉजी साइंस मेडिकल साइंस की महत्त्वपूर्ण शाखा है, जिसमें विषय विशेषज्ञ रोग के कारण, रोग द्वारा उत्पन्न संरचनात्मक असमानताओं एवं परिवर्तनों का अध्ययन करते हैं।

रोगों के निदान में पैथोलॉजिस्ट की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। विभिन्न प्रायोगिक जाँच के द्वारा सटीक रूप से बीमारी का पता लगाकर ही सही उपचार किया जा सकता है और जाँच से उपचार की वास्तविक प्रगति को भी देखा जा सकता है।

- वर्षों पहले जब चिकित्सा विज्ञान पूर्ण विकसित नहीं था, तब सिर्फ लक्षणों के आधार पर इलाज हुआ करता था, लेकिन पैथोलॉजी साइंस के विकास के साथ हम विभिन्न परीक्षण कर आसानी से यह पता कर सकते हैं कि मरीज़ को कौन-सा रोग है और उसके आधार पर हम उसका सटीक इलाज कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ का प्रथम मखाना प्रसंस्करण

चर्चा में क्यों ?

- 5 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोधन न्याय योजना की राशि के अंतरण कार्यक्रम में रायपुर ज़िले के आरंग विकासखंड के ग्राम लिंगाडीह में छत्तीसगढ़ के प्रथम मखाना प्रसंस्करण केंद्र 'मखाना खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन केंद्र' का वर्चुअल शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम में 'गोधन न्याय मिशन' के सुचारू संचालन के लिये 50 लाख रुपए की राशि जारी की।
- इस अवसर पर उन्होंने लिंगाडीह के ओजस फार्म में मखाने की खेती प्रारंभ करने वाले स्वर्गीय कृष्ण कुमार चंद्राकर दाऊ जी के नाम पर इस फार्म में उत्पादित मखाना की 'दाऊजी' ब्रांड नाम से लॉन्चिंग की।

नोट :

- लिंगाडीह के 'मखाना खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन केंद्र' द्वारा किसानों को मखाना खेती हेतु नि:शुल्क तकनीकी जानकारी, मखाना प्रक्षेत्र का समय-समय पर भ्रमण कराया जाता है और खेती का प्रशिक्षण दिया जाता है।
- इस केंद्र द्वारा किसानों के लिये मखाना बीज की उपलब्धता के साथ-साथ मखाने की खरीदी भी की जाती है।
- तालाब के साथ-साथ एक से डेढ़ फीट गहरे खेत में मखाने की खेती की जा सकती है। मखाने की खेती से प्रति एकड़ लगभग 70 हज़ार रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया जा सकता है।
- बिहार के मिथिला क्षेत्र की पहचान से जुड़े मखाना की खेती छत्तीसगढ़ के रायपुर, धमतरी और महासमुंद के बेहद सीमित क्षेत्र में की जा रही है।

छत्तीसगढ़ को मिला मोस्ट इंप्रूव्ड स्टेट इन एनवायरनमेंट अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

- 5 दिसंबर, 2021 को इंडिया टुडे स्टेट ऑफ स्टेट्स 2021 कान्क्लेव में मोस्ट इंप्रूव्ड स्टेट इन एनवायरनमेंट कैटेगरी में छत्तीसगढ़ को प्रथम पुरस्कार से नवाज़ा गया है। इंडिया टुडे के सीनियर एसोसिएट एडिटर राहुल नरोन्हा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को यह पुरस्कार सौंपा।

प्रमुख बिंदु

- इंडिया टुडे द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य वर्ष 2018 में 17वें, वर्ष 2019 में 6वें तथा वर्ष 2020 में दूसरे पायदान पर रहते हुए वर्ष 2021 में पहले पायदान पर है।
- इसी तरह इंडिया स्टेट ऑफ दी फारेस्ट रिपोर्ट के अनुसार राज्य के वन क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये गए कार्यों की यह एक बड़ी उपलब्धि है।
- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा वातावरण में वायु की गुणवत्ता जाँचने के लिये 18 वायु गुणवत्ता स्टेशन स्थापित किये गए हैं।
- वायु प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित तीन प्रमुख नगर निगमों- रायपुर, भिलाई, कोरबा में राष्ट्रीय साफ वायु प्रोग्राम के तहत माइक्रो एक्शन प्लान तैयार किये गए हैं।
- वायु में सल्फर की मात्रा 37 प्रतिशत तक कम हो गई है। यह 2016 में 26.02 माइक्रोग्राम थी, जो 2020 में घटकर 16.34 माइक्रोग्राम हो गई। इसी प्रकार दैनिक नाइट्रोजन डाइऑक्साइड सकेंद्रण में भी 17 प्रतिशत की कमी आई है। यह 24.11 माइक्रोग्राम से घटकर 19.88 माइक्रोग्राम रह गई है।
- इसी तरह राज्य सरकार ने वाटर क्वालिटी मॉनिटरिंग प्रोग्राम के तहत राज्य की 7 प्रमुख नदियों में पानी की गुणवत्ता जाँचने के लिये 27 स्टेशन स्थापित किये हैं। इनमें 5 प्रमुख नदियों- खारून, महानदी, हसदेव, केलो और शिवनाथ का पानी पीने योग्य पाया गया है। इसके अलावा पानी की गुणवत्ता जाँचने के लिये 10 स्टेशन बनाए जा रहे हैं।
- छत्तीसगढ़ की लगभग 28.8 मिलियन आबादी में 6 मिलियन लोग शहरी क्षेत्रों में निवास करते हैं। शहरी क्षेत्रों से लगभग एक हज़ार 650 टन ठोस कचरा प्रतिदिन एकत्र होता है। राज्य सरकार द्वारा पूरे राज्य में मिशन क्लीन सिटी प्रोग्राम चलाया जा रहा है।

पर्यावरण योद्धा अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी (नेपाल) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की राजधानी एवं शहर रायपुर निवासी खुशी ठाकुर को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण योद्धा अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- खुशी ठाकुर को पीपल, नीम एवं तुलसी अभियान के नेपाल की संस्था 'ग्रीन यूथ ऑफ लुंबिनी (नेपाल)' और 'कमला जलाधार संरक्षण अभियान, जनकपुर (नेपाल)' तथा 'दीदीजी फाउंडेशन संयुक्त प्रयास' से सम्मानित किया गया है।
- खुशी ठाकुर ने पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता को लेकर वैश्विक स्तर पर यह अवार्ड प्राप्त किया है।
- उल्लेखनीय है कि खुशी ठाकुर साइंस कॉलेज, रायपुर में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह क्रिकेट में भी राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हैं।

कायाकल्प स्वच्छ अस्पताल योजना में रायपुर को मिला सांत्वना पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 4 दिसंबर, 2021 को राज्य स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा कायाकल्प स्वच्छ अस्पताल योजनाओं में वर्ष 2021 में छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर ज़िले के शासकीय अस्पताओं को सांत्वना पुरस्कार मिला है।

प्रमुख बिंदु

- रायपुर ज़िले के सांत्वना पुरस्कार प्राप्त अस्पताओं में भाठागांव, भनपुरी, राजातालाब और हीरापुर शामिल है।
- उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग की योजनानुसार राज्य के 8 ज़िला अस्पतालों, 32 सिविल अस्पताओं व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 160 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 10 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 151 उपस्वास्थ्य केंद्रों को स्थापित किया गया था।
- स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा 70 फीसद या अधिक अंक हासिल किये गए हैं।
- ज़िला अस्पताल की श्रेणी में ज़िला अस्पताल बलरामपुर ने 89.1 फीसद अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- ज़िला अस्पताल बलौदा बाज़ार को 88.6 फीसद अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।
- ज़िला अस्पताल की श्रेणी में कुल 18 पुरस्कारों की घोषणा की गई है।
- प्रथम पुरस्कार पाने वाले ज़िला अस्पताल को 50 लाख रुपए एवं द्वितीय पुरस्कार पाने वाले ज़िला अस्पताल को 20 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा।
- राज्य में सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की श्रेणी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगरी ज़िला धमतरी ने 89.1 फीसद अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर ज़िला सरगुजा को 88.6 फीसद अंक हासिल कर दूसरा स्थान हासिल किया। इस श्रेणी में कुल 32 केंद्रों को पुरस्कृत किया गया है।
- इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 15 लाख रुपए और द्वितीय स्थान को 10 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा।
- अन्य 30 केंद्रों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में एक लाख की राशि और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा।
- शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नवापारा अव्वल
- शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तहत यूपी, एचसी नवापारा ज़िला सरगुजा ने 99.2 फीसद अंक के साथ प्रथम स्थान, यूपी, एससी शंकरपुरा ज़िला राजनांद गांव ने 88.5 अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।
- इस श्रेणी में कुल 19 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को पुरस्कृत किया गया है। प्रथम स्थान वालों को दो लाख व द्वितीय को डेढ़ लाख रुपए और अन्य 17 को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 50 हज़ार रुपए और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की श्रेणी में कुल 160 अस्पतालों को पुरस्कृत किया गया, इसमें 24 विजेताओं को दो लाख रुपए और अन्य 146 को 50 हज़ार रुपए और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा।

नोट :

एशियन थाईबॉक्सिंग में रजत पदक

चर्चा में क्यों ?

- 3 से 5 दिसंबर, 2021 को वर्ल्ड थाई बॉक्सिंग पेडरेशन और एशियन थाई बॉक्सिंग पेडरेशन के तत्त्वावधान में हैदराबाद के सरुरनगर इंडोर स्टेडियम में एशियन थाई बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमे छत्तीसगढ़ के 2 खिलाडियों को रजत पदक मिला।

प्रमुख बिंदु

- थाई बॉक्सिंग इंडियन पेडरेशन की टीम में छत्तीसगढ़ के 6 खिलाड़ी शामिल हैं, इन्हीं में से दुर्ग के रोहित जगने और कनिका चंद्राकर ने रजत पदक जीत लिया।
- छत्तीसगढ़ थाई बॉक्सिंग से अनीस मेमन ने बताया कि इसमें भारत सहित 12 एशियाई देश की टीम आमंत्रित थी।
- यहाँ 14 से 16 वर्षीय आयु वर्ग में रोहित जगने को महाराष्ट्र के खिलाड़ी ने 52-56 से हरा दिया। इस तरह वह रजत जीता।
- महिला वर्ग में दुर्ग की कनिका चंद्राकर ने भी महाराष्ट्र से हारकर फाइनल में रजत पदक जीता।

कृषक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

चर्चा में क्यों

- 6 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कृषक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राज्य के प्रगतिशील कृषकों एवं कृषि उत्पाद व व्यवसाय से जुड़े स्व-सहायता समूहों और संस्थाओं को उनके उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि का चेक भेंटकर सम्मानित किया।
- मुख्यमंत्री ने समारोह में मोस्ट इनोवेटिव एप ई-हाट के लिये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. एस.एस. सेगर, डॉ. आर.आर. सक्सेना और वैज्ञानिक अभिजीत कौशिक को सम्मानित किया।
- बेस्ट फार्मिंग प्रोड्यूस के लिये धमतरी ज़िले के विकासखंड कुरूद के ग्राम धुमा के किसान लीलाराम साहू, बेस्ट ऑर्गेनिक फार्मर के रूप में बेमेतरा ज़िले के विकासखंड बेरला के ग्राम खुड़मुड़ा के किसान खेदु राम बंजारे, बेस्ट एग्रीकल्चर रिसर्च के लिये कृषि विज्ञान केंद्र कोरिया-निदेशक विस्तार सेवाएँ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय डॉ. आर.के. बाजपेयी, कृषि वैज्ञानिक बेमेतरा डॉ. आर.एस. राजपूत और कृषि वैज्ञानिक कोरिया केशवचंद राजहंस को सम्मानित किया।
- मुख्यमंत्री द्वारा समारोह में बेस्ट डेयरी फार्मिंग के लिये राजनांदगाँव ज़िले के विकासखंड छुईखदान के ग्राम नर्मदा (चकनार) की वहिदा बेगम को तथा बेस्ट पोल्ट्री फार्मिंग के लिये सुकमा ज़िले के ग्राम गोठान रामापुरम की गायत्री महिला स्व-सहायता समूह को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।
- इसी प्रकार बेस्ट फॉरेस्ट प्रोड्यूस हेतु कोरबा ज़िले की सरोज पटेल हरिबोल स्व-सहायता समूह डोंगानाला को तथा बेस्ट वाटर कंजरवेशन एफर्ट हेतु कोंडागांव ज़िले के विकासखंड बड़ेराजपुर के ग्राम मंडोकी खरगाँव के विजय मंडावी को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।
- बेस्ट मेन्यूर प्रोडक्शन के लिये रायगढ़ ज़िले के बरमकेला की स्व-सहायता समूह हिर्री, बेस्ट मार्केटिंग ऑफ प्रोड्यूस के लिये बस्तर ज़िले के भुमगादी महिला कृषक उत्पादक कंपनी हरिहर, बस्तर बाज़ार, जगदलपुर और उद्यानिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये रायपुर के कृषक अभिषेक चावड़ा को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में एक रुपए किलो की दर से 65 लाख परिवारों को हर महीने 35 किलोग्राम चावल का वितरण किया जा रहा है।

नोट :

- राज्य में तेंदूपत्ता संग्राहकों को 25 सौ रुपए से बढ़ाकर 4 हज़ार रुपए प्रति मानक बोरा के संग्रहण दर का भुगतान किया जा रहा है। राज्य में प्रतिवर्ष 600 करोड़ रुपए तेंदूपत्ता संग्राहकों को भुगतान किया जा रहा है। लघुवनोपज की खरीदी भी 7 से बढ़ाकर 52 कर दी है, साथ ही इसका वैल्यू एडिशन भी किया जा रहा है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि, किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने, फसल उत्पादकता बढ़ाने एवं फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिये 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' को शुरू किया गया है। इसके तहत किसानों को आदान सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

छत्तीसगढ़ की तीन योजनाओं को मिली राष्ट्रीय स्तर में पहचान

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारत सरकार द्वारा जारी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन स्टोरीज की किताब में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित तीन महत्त्वपूर्ण योजनाओं- ऑफलाइन शिक्षा के लिये ब्लूटूथ आधारित ई-शिक्षा समाधान 'बुल्टू के बोल', राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में नगद भुगतान हेतु 'डिजिपे सखी' और 'गोधन न्याय योजना' को प्रकाशित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी समीर विश्नोई ने बताया कि देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ पर मनाए जा रहे आज़ादी का अमृत महोत्सव के लिये देश के सभी राज्यों में डिजिटल इंडिया के अंतर्गत किये गए अभिनव नवाचारों को सम्मिलित कर भारत सरकार द्वारा बुकलेट प्रकाशित की गई है, जिसमें राज्य शासन द्वारा संचालित इन तीन योजनाओं को स्थान दिया गया है।
- बुकलेट के प्रकाशन मंडल में देश भर के आई.टी. विशेषज्ञों के साथ-साथ चिप्स के संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.ई.एम.टी. के नीलेश सोनी को भी शामिल किया गया है।
- समीर विश्नोई ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर पशुधन के माध्यम से पशुपालकों के आय में वृद्धि करने के लिये कृषि विभाग द्वारा संचालित 'गोधन न्याय योजना'के अंतर्गत गोबर खरीदी, वर्मी कंपोस्ट खाद का निर्माण आदि अनेक आयमूलक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। जिसके लिये चिप्स द्वारा मोबाइल एप और वेबसाईट का निर्माण किया गया है।
- एप के माध्यम से गोबर विक्रेताओं और स्व-सहायता समूह को जोड़ा गया है। साथ ही एप द्वारा गोबर से वर्मी कंपोस्ट बनाने की जानकारी एवं विक्रय की व्यवस्था भी की गई है। योजना के हितग्राहियों को सीधे उनके बैंक एकाउंट में भुगतान किया जा रहा है।
- इसी प्रकार छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालों को उनके घर के समीप ही बैंकिंग सुविधाएँ और नगद भुगतान के लिये सामान्य सेवा केंद्र परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक गाँव में नगद संगवारी कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है. इसके अंतर्गत समाजिक सुरक्षा योजना, वृद्धावस्था पेंशन आदि अनेक योजनाओं के हितग्राहियों को नगद भुगतान किया जा रहा है. इससे गाँवों में रोज़गार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। ऐसे ही बालोद ज़िले के छोटे से गाँव की निवासी व पेशे से गृहणी सुनीति साहू की सफलता की कहानी इस बुकलेट में बताई गई है।
- राज्य के विद्यार्थियों तक ऑफलाइन शिक्षा समाग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ब्लूटूथ आधारित ई-शिक्षा समाधान 'बुल्टू के बोल'प्रारंभ किया गया है। इसमें कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिये बर्तन बैंक का किया गया शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 7 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के ग्राम पंचायत नारायणपुर में सरपंच मुक्तिलता ने अपनी ग्राम पंचायत को सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्ति दिलाने हेतु बर्तन बैंक खोलकर एक नई पहल की शुरुआत की।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत ज़िले को सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिये सार्थक प्रयास किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप कुनकुरी विकासखंड के ग्राम पंचायत नारायणपुर में सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत में उपलब्ध राशि से स्वच्छाग्रही समूह के माध्यम से बर्तन बैंक का शुभारंभ किया गया।
- जिससे ग्राम पंचायत में आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रम आयोजनों में प्लास्टिक के दोना थाली, चम्मच, कटोरी, डिस्पोजल गिलास की जगह बर्तन का उपयोग किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

- 8 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में उनके निवास कार्यालय पर मंत्रिपरिषद ने महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिपरिषद ने खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जारी राशनकार्ड पर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त खाद्यान्न नि:शुल्क वितरण करने का निर्णय लिया। इस पर 223.58 करोड़ रुपए के व्ययभार की प्रतिपूर्ति छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के अंतर्गत की जाएगी।
- छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक नीति 2019-24 में अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के उद्यमियों को औद्योगिक नीति में वर्णित पिछड़े विकासखंड श्रेणी 'द'में रियायती दर पर विभागीय लैंड बैंक की (औद्योगिक पार्क/ क्षेत्र के लिये हस्तांतरित भूमि को छोड़कर) अविकसित औद्योगिक प्रयोजन की भूमि आवंटित किये जाने संबंधी प्रावधान एवं अन्य संशोधनों का अनुमोदन किया गया।
- सोलर विद्युत उत्पादन में लगने वाले प्लांट एवं मशीनरी पर आधारित उद्योगों को उच्च प्राथमिकता की श्रेणी में शामिल किया गया। निजी भूमि पर उत्पादन किये जाने वाले काष्ठ पर आधारित उद्योग को प्राथमिकता उद्योग में शामिल किया गया।
- औद्योगिक नीति के अंतर्गत एमएसएमई सेवा श्रेणी उद्यमों की सूची अनुमोदित की गई।
- औद्योगिक नीति में पूर्व में किये गए संशोधनों को एक नवंबर, 2019 से प्रभावशील किये जाने का अनुमोदन दिया गया। धान/चावल उपार्जन में प्रयुक्त होने वाले जूट बैग/बारदाना को उच्च प्राथमिकता में शामिल किया गया।
- स्वामी आत्मानंद अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों में सहायक शिक्षक पद पर भर्ती के लिये बस्तर एवं सरगुजा संभाग तथा कोरबा ज़िले में लागू स्थानीय निवासी होने की शर्त से छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया।
- खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में समर्थन मूल्य में किसानों से धान खरीदी के लिये पुराने जूट बारदानों की दर 18 रुपए प्रति नग से बढ़ाकर 25 रुपए प्रति नग निर्धारित करने तथा किसानों को इसका भुगतान समर्थन मूल्य के भुगतान के साथ करने संबंधी मुख्यमंत्री के अनुमोदन का अनुसमर्थन किया गया।
- आबकारी विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली आबकारी उप निरीक्षक के पद पर सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में आवेदकों/ कर्मचारियों को आयु सीमा में केवल एक बार के लिये छूट देते हुए आगामी सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया।
- रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर को पट्टे पर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में पूर्व में आवंटित शासकीय भूमि को एक रुपए प्रति वर्ग फीट की दर से आवंटित करने का निर्णय लिया गया।
- मुख्यमंत्री द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में राइस मिलों को कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन राशि 120 रुपए प्रति क्विंटल दिये जाने की घोषणा की गई है।
- छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा आयोग अधिनियम 1995 की धाराओं में संशोधन कर उपाध्यक्ष पद के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

नोट :

- गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गोठान समिति में उत्पादित कम्पोस्ट को सहकारी समितियों के माध्यम से निजी संस्था/फर्म को भी विक्रय के लिये सम्मिलित करने तथा योजना के अंतर्गत प्रावधानित बजट में 0.5 प्रतिशत प्रशासकीय मद में व्यय की अनुमति दिये जाने का निर्णय लिया गया।
- द्वितीय अनुपूरक अनुमान वर्ष 2021-22 का विधानसभा में उपस्थापन के लिये छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक, 2021 का अनुमोदन किया गया।

इको लर्निंग सेंटर दुधावा और इको पर्यटन स्थल कोडार का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 8 दिसंबर, 2021 को छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने के लिये उत्तर बस्तर कांकेर में दुधावा डैम पर निर्मित इको लर्निंग सेंटर और महासमुंद ज़िले में कोडार जलाशय पर निर्मित इको पर्यटन स्थल का वर्चुअल लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे स्थानीय लोगों को रोज़गार भी उपलब्ध होगा। यह दोनों पर्यटन स्थल जन-सामान्य में वन्यजीव और जैव-विविधता की जानकारी देने के साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने में अवश्य सफल होंगे।
- इको पर्यटक स्थल वन चेतना केंद्र कोडार में वर्तमान में पहुँच मार्ग उन्नयन, वाटर सप्लाई सिस्टम, मचान, ट्री हाउस, नेचर ट्रेल, बर्ड वाचिंग और मोटर बोट की सुविधा के विकास कार्य प्रगति पर हैं। पर्यटकों को लुभाने के लिये यहाँ वन परिवेश में रहने और साहसिक शिविर आयोजित करने की सुविधा उपलब्ध है।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा पुरातत्त्व निर्मित सिरपुर में मार्च 2021 में रामवनगमन पथ के अंतर्गत पर्यटन विकास के लिये की गई घोषणा के तहत वन चेतना केंद्र कोडार का विकास इको पर्यटन स्थल के रूप में किया गया है।
- वन चेतना केंद्र कोडार राजधानी रायपुर से 65 किलोमीटर, महासमुंद मुख्यालय से 17 किलोमीटर और सिरपुर नगरी से 20 मीटर की दूरी पर नेशनल हाईवे क्रमांक 53 पर स्थित है। यहाँ पर्यटकों की सुविधा के लिये एडवेंचर, मनोरंजन, स्वास्थ्य लाभ, संस्कृति पर्यावरण संचेतना और स्थानीय रोज़गार के विकास का अद्भुत समागम प्रस्तुत किया गया है।
- यहाँ पर्यटकों के ठहरने के लिये नाईट कैम्पिंग, कैम्प फॉयर एवं स्टार गेजिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मनोरंजन के लिये बॉलीवाल, नेट क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, निशानेबाज़ी की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही नौका विहार, बैम्बू रॉफ्टिंग और पर्यटकों के स्वाल्पाहार के लिये स्थानीय छत्तीसगढ़ी व्यंजन और सुपाच्य भोजन की व्यवस्था उपलब्ध है।
- ऊँची-ऊँची पहाड़ियों के बीच से घिरे जलाशय स्थल पर सन्सेट देखने का सुकून भरा अनुभव, सेल्फी ज़ोन एवं फिशिंग का आनंद पर्यटकों द्वारा लिया जा सकेगा।
- इस केंद्र में ज़िले के स्व सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों और संजीवनी के उत्पादों के विक्रय की सुविधा का विकास भी किया जा रहा है। स्थल के समीप खल्लारी माता का मंदिर स्थित है, जहाँ पर्यटकों द्वारा दर्शन भी किया जा सकता है।
- ज़िला खनिज न्यास संस्थान मद, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, विधायक निधि और वन विभाग के पर्यावरण वानिकी मद के अभिसरण से पोषित इस केंद्र में न्यूनतम निर्माण कार्य किये गए हैं। वनों की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखते हुए जन सामान्य में वन चेतना का संचार करने का प्रयास किया जा रहा है।
- कांकेर ज़िले के दुधावा जलाशय में स्थित इको लर्निंग सेंटर का संचालन वन प्रबंधन समिति द्वारा किया जाएगा।
- यह पर्यटन स्थल मुख्यमंत्री की प्रेरणा के गढ़बो नवा कांकेर के रूप में विकसित किया गया है, जहां पर्यटकों के ठहरने, खान-पान के लिये रेस्टोरेंट, एडवेंचर के लिये दो मोटर बोट से शुरू किया जा रहा है।
- इसके साथ ही यहां पर ट्रेकिंग की व्यवस्था भी की गई है। इस केंद्र में प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस स्थल को इको पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा।

नोट :

इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 9 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवा रायपुर अटल नगर के ग्राम तेंदुआ में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च छत्तीसगढ़ का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- शिक्षण की सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राईविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च की स्थापना 17 करोड़ रुपए की लागत से ग्राम तेंदुआ में 20 एकड़ के विशाल भू-भाग पर की गई है।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आईडीटीआर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं और थर्ड जेंडर के अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट देने तथा दिव्यांग अभ्यर्थियों को मुफ्त में प्रशिक्षण प्रदान करने की घोषणा की।
- इस दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण के लिये उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया और आईटीडीआर के प्रशिक्षण वाहनों को हरी झंडी दिखाई।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर में प्रारंभ हुए इस इंस्टीट्यूट में विशेषज्ञों द्वारा अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से प्रशिक्षुओं को ड्राइविंग की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसमें उन्हें गाड़ी चलाने, पार्किंग, बैक करने, चढ़ाव और टर्निंग पर गाड़ी कैसे चलाना है, यह सिखाया जाएगा। साथ ही वाहनों में लगे हुए यंत्रों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा।
- परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि इस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को रोज़गार उपलब्ध कराने में सहयोग दिया जाएगा। यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को शासकीय विभाग में वाहन चालक पद पर भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशिक्षण पूरा करने वालों को लाइसेंस दिये जाएंगे।
- मारुति सुज़ुकी इंडिया के सीईओ एवं एमडी केनिची आयुकावा ने कहा कि उनके संस्थान द्वारा पिछले 20 वर्ष में पूरे देश में 39 लाख लोगों को ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया गया है। नवा रायपुर में स्थित यह आईडीटीआर मारूति सुज़ुकी का देश में 8वाँ संस्थान है।
- परिवहन विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि इस इंस्टीट्यूट में एक साथ 250 लोगों को प्रशिक्षण दिया जा सकता है। यहाँ 80 सीटर हॉस्टल की सुविधा भी है। यहाँ प्रशिक्षुओं के लिये योगा, प्ले ग्राउंड की व्यवस्था भी है। इस वर्ष 2 हज़ार लोगों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।

लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य प्रदेश के भोपाल ज़िले में आयोजित आठवें इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) के साउथ सेंट्रल ज़ोन सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर ज़िले में स्थित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. निर्मल वर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- पब्लिक हेल्थ के क्षेत्र में बेहतर तथा प्रशंसनीय कार्य करने वाले प्रोफेसर डॉ. कमलेश जैन को डॉ. एमसी मित्तल सम्मान से भी सम्मानित किया गया है।
- इस सम्मेलन में पब्लिक हेल्थ में लंबे समय तक अति-विश्वसनीय एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से चयनित विषय विशेषज्ञों को भी पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ स्वर्गीय डॉ. एमसी मित्तल तथा स्वर्गीय डॉ. वीबी सक्सेना सम्मान से सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन पीएसएम विशेषज्ञों का संगठन है।

नोट :

- वर्तमान में प्रीवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन को कम्युनिटी मेडिसिन तथा साधारण बोलचाल की भाषा में जनस्वास्थ्य, यानी पब्लिक हेल्थ के नाम से जाना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन स्पर्धा-2021

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बहरीन में आयोजित यूथ एशिया कप पैरा बैडमिंटन स्पर्धा-2021 में छत्तीसगढ़ राज्य के अभिजीत सखूजा और निहाल गुप्ता ने अंडर-16 में स्वर्ण पदक जीता है।

प्रमुख बिंदु

- बाएँ पैर से दिव्यांग अभिजीत अंतर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन स्पर्धा के सबसे कम उम्र (16 वर्ष) के तथा उक्त स्पर्धा में भाग लेने वाले छत्तीसगढ़ के पहले खिलाड़ी हैं।
- अभिजीत सखूजा और निहाल गुप्ता ने अंडर-16 में भारत के ही पलक कोहली और ज्योति की जोड़ी को परास्त कर फाइनल में 21-13, 21-11 से जीत दर्ज की है।
- उक्त स्पर्धा के सेमीफाइनल में अभिजीत और निहाल की जोड़ी ने स्पेन के खिलाड़ियों की जोड़ी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन स्पर्धा में भी अभिजीत ने एकल व युगल वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया था।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिये छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ी चयनित

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ के तीन बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन स्पेन में 12 से 19 दिसंबर 2021, तक आयोजित होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिये किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इन तीन खिलाड़ियों में भिलाई की जूही देवांगन व वेंकट गौरव तथा रायपुर के संयम शुक्ला शामिल हैं।
- छत्तीसगढ़ के इन तीनों खिलाड़ियों का चयन अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर किया गया है।
- जूही व वेंकट की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में तथा संयम शुक्ला एवं अरुण जार्ज (केरल) डबल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के ये तीनों खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में अनेक मेडल प्राप्त कर चुके हैं।
- जूही एवं वेंकट मेक्सिको, बहरीन एवं नेपाल में हुई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुके हैं।
- संयम शुक्ला डच ओपन, मालदीव्स इंटरनेशनल चैलेंज, इंडिया इंटरनेशनल में स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुके हैं।
- विदित है कि जूही के पिता जयंत देवांगन भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी एवं कोच हैं। यह पहला अवसर है जब पिता और पुत्री दोनों 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सोनाखान को तहसील बनाने की घोषणा की

चर्चा में क्यों ?

- 10 दिसंबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शहीद वीरनारायण सिंह के शहादत दिवस पर सोनाखान (ज़िला- बलौदाबाज़ार) में आयोजित कार्यक्रम में राजधानी रायपुर के जयस्तंभ चौक पर शहीद वीरनारायण सिंह की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने तथा सोनाखान को तहसील बनाने की घोषणा की।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि रायपुर के जयस्तंभ चौक पर ही 10 दिसंबर, 1857 को तत्कालीन अंग्रेज़ी सरकार द्वारा वीर नारायण सिंह को फाँसी दी गई थी।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सोनाखान के शहीद स्मारक परिसर में शहीद वीरनारायण सिंह की घोड़े पर सवार आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया। उन्होंने यहाँ 28 करोड़ 60 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात भी दी।
- मुख्यमंत्री ने शहीद वीर नारायण सिंह के परिजनों का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा शहीद के वंशजों को बढ़ाई गई मासिक पेंशन स्वीकृति आदेश-पत्र भी प्रदान किये। आदेश के तहत अब प्रतिमाह उनके वंशजों को 10 हज़ार रुपए पेंशन मिलेगी। इसके पहले मासिक पेंशन केवल एक हज़ार रुपए मिलती थी।
- मुख्यमंत्री ने सोनाखान इलाके के पांच ग्राम-कुकरीकोना, उपरानी, अचानकपुर, पटियापाली एवं गितपुरी की ग्रामसभा को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार-पत्र भी वितरित किये। सोनाखान कॉलेज के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

छत्तीसगढ़ राज्य हरित परिषद

चर्चा में क्यों ?

- 11 दिसंबर, 2021 को जारी एक आधिकारिक संचार में कहा गया है कि पुनर्योजी विकास को नई दिशा देने और राज्य को इस क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिये छत्तीसगढ़ जल्द ही छत्तीसगढ़ राज्य हरित परिषद का गठन करेगा।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्य सचिव को परिषद बनाने के लिये तत्काल कदम उठाने और लघु वनोपज संघ कार्यालय में अपना काम शुरू करने का निर्देश दिया है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस परिषद के अध्यक्ष होंगे। वहीं कृषि मंत्री रवींद्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर और मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा परिषद के उपाध्यक्ष होंगे।
- सदस्य सचिव और तकनीकी सलाहकार के अलावा परिषद में कुल 12 सदस्यों की नियुक्ति की जाएगी। अध्यक्ष निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों में से सात सदस्यों को मनोनीत करेंगे।
- छत्तीसगढ़ वन विभाग पुनर्योजी विकास कार्य के लिये प्रशासनिक विभाग होगा ।
- विदित है कि लगातार हो रहे पर्यावरण क्षरण से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि हुई है और जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम देखे जा रहे हैं। इसका मुकाबला करने का एकमात्र विकल्प पुनर्योजी और सतत् विकास है।

डिजिटल हेल्थ आईडी

चर्चा में क्यों ?

- 13 दिसंबर, 2021 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने नई दिल्ली में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के माध्यम से सर्वाधिक डिजिटल हेल्थ आईडी बनाने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रभारी राज्य कार्यक्रम प्रबंधक आनंद साहू ने नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।
- उल्लेखनीय है कि आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश भर में 16 नवंबर से 12 दिसंबर, 2021 तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे 2021 के दौरान छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक 53 हज़ार 067 डिजिटल हेल्थ आईडी बनाए गए। वहीं मध्य प्रदेश में 43 हज़ार 953 और ओडिशा में 17 हज़ार 342 डिजिटल हेल्थ आई.डी. बनाए गए हैं।

नोट :

- देश भर में इस दौरान बनाए गए कुल एक लाख 52 हज़ार 942 आईडी में अकेले छत्तीसगढ़ की भागीदारी 35 प्रतिशत है। ये सभी आईडी राज्य के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में बनाए गए हैं।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 16 नवंबर से 12 दिसंबर तक राष्ट्रव्यापी अभियान के दौरान राज्य के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में सामान्य स्क्रीनिंग के साथ-साथ कैंसर जैसी बीमारियों की भी स्क्रीनिंग की गई।
- इस दौरान वहाँ विशेष अभियान के तहत डिजिटल हेल्थ आईडी भी बनाए गए। इस आईडी में मरीज़ की बीमारी और इलाज से संबंधित सभी तरह की जानकारियाँ दर्ज रहेंगी। इससे मरीज़ की मेडिकल हिस्ट्री का तुरंत पता लगाया जा सकता है।
- 16 नवंबर से 12 दिसंबर की अवधि में राज्य के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 5 लाख 2 हज़ार 535 लोगों की हाइपरटेंशन, 4 लाख 87 हज़ार 640 लोगों की डायबिटीज, 3 लाख 65 हज़ार 991 लोगों की मुख कैंसर, 1 लाख 62 हज़ार 992 लोगों की स्तन कैंसर एवं 1 लाख 15 हज़ार 476 लोगों में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की गई।

रायपुर में 'रन फॉर सीजी प्राइड'का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

- 14 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान और गर्व के लिये 'रन फॉर सीजी प्राइड'का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांधी उद्यान चौक से झंडी दिखाकर 'रन फॉर सीजी प्राइड'का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- बीते तीन वर्षों में लोक कला, संस् चकृति, परंपरा और विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल से प्रदेश की देश-दुनिया में एक नई पहचान बनी है। इस स्वाभिमान और गर्व को सेलीब्रेट करने के लिये ही राजधानी में रन फॉर सीजी प्राइड (दौड़ स्वाभिमान और गर्व की) का आयोजन किया गया।
- छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान और गर्व के लिये आयोजित इस दौड़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित हर आयु वर्ग के 20 हज़ार से अधिक धावक शामिल हुए।
- छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 5 किलोमीटर की यह दौड़ तीन वर्गों में हुई। प्रथम वर्ग में 14 वर्ष से कम उम्र के बालक एवं बालिकाओं ने, दूसरे वर्ग में 14 वर्ष से 60 वर्ष तक की उम्र की महिला एवं पुरुषों ने तथा तृतीय वर्ग में 60 वर्ष से अधिक उम्र के धावकों ने हिस्सा लिया।
- प्रथम वर्ग में बालक-बालिका श्रेणी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को, द्वितीय वर्ग में प्रथम स्थान से लेकर दशम स्थान तक के पुरुष एवं महिला धावकों को तथा तृतीय वर्ग में प्रथम से लेकर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले वरिष्ठ धावकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।
- दौड़ में 60 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक श्रेणी में गुजारी लाल ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी तरह 14 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम की श्रेणी में पुरुष वर्ग में मुकेश कुमार तथा महिला वर्ग में प्रियंका साहू प्रथम रहे। इसी तरह 14 वर्ष से कम बालक वर्ग में करण साहू और बालिका वर्ग में कामिनी साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- इनमें से 14 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु वर्ग के प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार 21 हज़ार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 15 हज़ार रुपए, तृतीय पुरस्कार 11 हज़ार रुपए व चतुर्थ से दसवें स्थान तक 21 सौ रुपए पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। वहीं वरिष्ठ नागरिक व 14 साल से कम उम्र के बच्चों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 11 हज़ार रुपए, द्वितीय पुरस्कार सात हज़ार रुपए एवं तृतीय पुरस्कार पांच हज़ार रुपए प्रदान किया जाएगा।

नोट :

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बुनकरों के हित में बड़ा फैसला

चर्चा में क्यों ?

- 15 दिसंबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के हज़ारों बुनकर परिवारों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए स्कूली छात्रों के गणवेश वस्त्रों का क्रय छत्तीसगढ़ हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से करने के निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री के इस महत्त्वपूर्ण फैसले से हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ से जुड़े हज़ारों बुनकरों को नियमित रोज़गार मिलेगा और उन्हें आर्थिक लाभ पहुँचेगा।
- मुख्यमंत्री की इस पहल के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षण सत्र 2022-23 के लिये गणवेश वस्त्रों के क्रय के संबंध में छत्तीसगढ़ हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित को सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है।
- स्कूल शिक्षा विभाग के प्राथमिक-माध्यमिक विद्यार्थियों को नि:शुल्क और हाईस्कूल-हायर सेकेंडरी स्कूलों में अध्ययनरत् आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के विद्यार्थियों को मात्र 10 रुपए में गणवेश वितरित किया जाएगा।
- गौरतलब है कि राज्य में 292 बुनकर समितियाँ कार्यरत् हैं, जिनमें से 250 बुनकर समितियाँ हथकरघा संघ में 59 प्रकार के शासकीय वस्त्रों के उत्पादन में संलग्न हैं। राज्य सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों में राज्य में कार्यरत् 651 महिला स्व-सहायता समूहों की 7812 महिलाओं को भी गणवेश वस्त्र सिलाई में अतिरिक्त रोज़गार उपलब्ध कराया गया।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने हथकरघा बुनाई रोज़गार को अपनाने के लिये इच्छुक 1346 हितग्राहियों को नवीन बुनाई प्रशिक्षण हेतु तथा 3100 परंपरागत बुनकरों के कौशल प्रशिक्षण हेतु लगभग 10.02 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की है।
- इसके साथ ही हथकरघा संघ द्वारा बुनकरों के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिये कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 60 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होने वाले 885 विद्यार्थियों को 36.19 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

'छै कोरी, छै आगर तरिया अऊ बूढ़ा नरवा 'पुस्तक का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 15 दिसंबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गोविंद पटेल के द्वारा लिखित किताब 'छै कोरी, छै आगर तरिया अऊ बूढ़ा नरवा 'का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस पुस्तक में दुर्ग ज़िले के धमधा विकासखंड में गोंड राजाओं के शासनकाल में खुदवाए गए 126 तालाबों की जानकारी प्रकाशित की गई है।
- पुस्तक में उन तालाबों के नाम, निर्माण वर्ष, खसरा नंबर, क्षेत्रफल व जलभराव का उल्लेख किया गया है।
- इस किताब के ज़रिये प्राचीन काल से चली आ रही जल संरक्षण की परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया है।

ई-श्रम कार्ड बनाने में गरियाबंद ज़िला प्रदेश में पहले स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

- 14 दिसंबर, 2021 तक कुल 2 लाख 8 हज़ार 308 ई-श्रम कार्ड पंजीयन कर गरियाबंद ज़िला पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर है एवं लक्ष्य के विरुद्ध 169.8 प्रतिशत् की उपलब्धि प्राप्त कर चुका है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गरियाबंद कलेक्टर द्वारा निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत् पंजीयन हेतु निर्देश दिया गया था, जिसके तहत श्रम विभाग, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर एवं अन्य विभाग के सहयोग से समय से पूर्व ही निर्धारित लक्ष्य को हासिल कर लिया गया है।
- इसके साथ ही समिति के सदस्यों के सहयोग से विकासखंडवार तथा ग्राम-पंचायतवार पंजीयन हेतु शिविर लगाकर गरियाबंद ज़िला को प्राप्त लक्ष्य 122692 को निर्धारित तिथि 31 दिसंबर के पूर्व ही पूर्ण कर लिया गया है।
- उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा पंजीयन के संबंध में विशेष संज्ञान लेते हुए दिन में पोर्टल में हो रही समस्या को देखते हुए विशेष रूप से सभी ग्राम पंचायतों में रात्रिकालीन शिविर लगाने के निर्देश दिये गए थे, जिस पर अमल कर प्राप्त लक्ष्य को पूर्ण करते हुए समय पूर्व ही यह उपलब्धि हासिल की गई है।

मनरेगा के दो नए लोकपाल नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

- 16 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के लिये राज्य में दो नए लोकपाल नियुक्त किये गए।

प्रमुख बिंदु

- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नियुक्त इन दो लोकपालों के साथ ही अब राज्य में 16 लोकपाल हो गए हैं, जिनके अधिकार क्षेत्र में राज्य के 27 ज़िले शामिल हैं।
- विभाग ने बताया कि विवेक शुक्ला को राजनांदगांव ज़िले के लिये और छत्र कुमार साहू को दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा ज़िलों के लिये लोकपाल नियुक्त किया गया है। नए लोकपालों ने कार्यभार संभाल लिया है।
- इसके साथ ही राज्य स्तर पर लोकपाल अपीलीय प्राधिकरण में एक सदस्य की नियुक्ति भी की गई है। राजर्षि कुमार त्रिवेदी तीनसदस्यीय लोकपाल अपीलीय प्राधिकरण के तीसरे सदस्य नियुक्त किये गए हैं।
- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने बताया कि लोकपाल और प्राधिकरण के सदस्यों की नियुक्ति दो साल के लिये की गई है। उनका कार्यकाल क्रमश: दो वर्ष और एक वर्ष के लिये बढ़ाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा ने पारित किया अनुपूरक बजट, 5 विधेयक

चर्चा में क्यों ?

- 15 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अनुपूरक बजट और पाँच विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिये। तत्पश्चात् सत्र को अनिश्चित काल के लिये स्थगित कर दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये दूसरे अनुपूरक बजट का जवाब देते हुए कहा कि अनुपूरक बजट 2108.62 करोड़ रुपए तक रखा गया है।
- केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं में योगदान में बदलाव पर आँकड़े देते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में कृषि-बागवानी आवंटन और महिला एवं बाल विभाग की एकीकृत योजना का अनुपात 85-15 था जो अब 60-40 का अनुपात है।
- इसी तरह मनरेगा जो 90-10 के अनुपात में था, अब 75-25 अनुपात में, इंदिरा आवास 75-25 से 60-40 के अनुपात में और स्कूली शिक्षा 70-30 से 60-40 के अनुपात में है।

नोट :

- रेडी टू ईट के मुद्दे पर (जिस पर भाजपा ने बहिष्कार किया) उन्होंने कहा कि 2009 में 1627 महिला स्वयं सहायता समूहों को काम दिया गया था, जिनमें से केवल 638 समूह ही कार्यरत् हैं।

सीसीटीएनएस और आईसीजेएस में गुड प्रेक्टिस के लिये देशभर में छत्तीसगढ़ को मिला दूसरा स्थान

चर्चा में क्यों ?

- 17 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली में भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को सीसीटीएनएस (क्राईम एंड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क सिस्टम) और आईसीजेएस (इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) में बेहतर क्रियान्वयन हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- 16-17 दिसंबर तक आयोजित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में आईसीजेएस योजना के अंतर्गत फॉरेंसिक में बेहतर क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा की गई, जिसमें पूरे देश में छत्तीसगढ़ को दूसरा स्थान प्रदान किया गया। वहीं प्रथम स्थान उड़ीसा एवं तृतीय स्थान मध्य प्रदेश राज्य को प्रदान किया गया।
- उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में सीसीटीएनएस, फॉरेंसिक, कोर्ट, अभियोजन एवं जेल को डिजिटल प्लेटफार्म पर आईसीजेएस के माध्यम से आपस में इंटीग्रेशन का कार्य पूर्ण हो गया है।
- राज्य फॉरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा ई-फॉरेंसिक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से केस रजिस्ट्रेशन से लेकर रिपोर्ट तैयार करने तक की समस्त कार्यवाही अपलोड की जाती है। यह डेटा आईसीजेएस के अन्य स्तंभ को साझा कर रहा है।
- भारत सरकार, गृह मंत्रालय, एनसीआरबी, नई दिल्ली द्वारा इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (ICJS) के माध्यम से सीसीटीएनएस, अभियोजन, जेल, कोर्ट एवं फॉरेंसिक एवं फिंगर प्रिंट के डिजिटल डेटा को आपस में इंट्रीगेट किया जा रहा है, ताकि उक्त सभी विभागों के डाटा आपस में साझा किया जा सकें।

वरिष्ठ सर्जन डॉ. फैजुल को मिला स्वास्थ्य रत्न पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरगुजा जिले के अंबिकापुर के सुप्रसिद्ध सर्जन एवं फिरदौसी अस्पताल संचालक डॉ. फैजुल हसन फिरदौसी को रायपुर में एक निजी समारोह में स्वास्थ्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. फिरदौसी को यह पुरस्कार कोरोना काल में सरगुजा अंचल में लोगों की लेप्रोस्कोपिक विधि से सर्जरी करने के लिये मिला है।
- उन्होंने लोगों की सर्जरी आयुष्मान भारत योजना एवं डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना के माध्यम से की, जिससे आम आदमी का इलाज मुफ्त में हुआ।
- उल्लेखनीय है कि लेप्रोस्कोपिक विधि से सर्जरी करने से हितग्राही तत्काल स्वस्थ होकर अपने काम पर लौट जाता है, जिससे उसे आर्थिक नुकसान नहीं होता।
- विदित है कि डॉ. फैजुल हसन फिरदौसी लेप्रोस्कोपिक सर्जन स्वर्गीय डॉ. एन. एच. फिरदौसी के पुत्र हैं एवं डॉक्टर फिरदौसी अस्पताल खरसिया रोड के संचालक हैं।

नोट :

केशकाल एडवेंचर फेस्टिवल का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 17 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के कोंडागांव ज़िले के केशकाल में स्थित टाटामारी पर्यटन क्षेत्र में तीनदिवसीय केशकाल एडवेंचर फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। इस एडवेंचर फेस्टिवल में कर्नाटक, पश्चिम बंगाल सहित राज्य के कोने-कोने से आए ट्रैवल ब्लॉगर एवं पर्यटकों का आदिवासी परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया।

प्रमुख बिंदु

- पर्यटकों को मांझिनगढ़ स्थित विभिन्न व्यू पॉइंट, झरने, गुफा, विलक्षण वनस्पतियाँ एवं प्रागैतिहासिक शैलचित्र दिखाए गए। प्रागैतिहासिक शैल चित्रों एवं आदिम जनजातीय संस्कृति की झलक को देखकर सैलानी अभिभूत हो गए।
- आगामी दो दिनों में इस फेस्टिवल में बस्तर की पुरानी राजधानी बड़ेडोंगर, प्राचीन भोंगापाल के बौद्ध विहारों, शिल्पग्राम, पारधी जनजातीय ग्राम का भ्रमण, जलप्रपात दर्शन तथा स्थानीय व्यंजनों के साथ एडवेंचर स्पोर्ट के रूप में रॉक क्लाइंबिंग, पैरामोटर, रैपेलिंग, जीपलाईन, कैंपिंग एवं ट्रैकिंग की व्यवस्था की गई है।
- इसके अतिरिक्त प्रत्येक शाम विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा।
- इस फेस्टिवल के द्वारा ज़िला प्रशासन ज़िले में उपलब्ध पर्यटन की क्षमताओं का विकास कर पर्यटन मानचित्र में इसे पहचान दिलाने का प्रयास कर रहा है।
- केशकाल अपने प्राकृतिक संसाधनों, मनोरम जलप्रपातों एवं विशिष्ट जनजातीय संस्कृति के लिये समूचे प्रदेश के साथ-साथ देशभर में प्रसिद्ध है।
- उल्लेखनीय है कि केशकाल के टाटामारी में दो पहाड़ियों को जोड़कर एक काँच का पुल तैयार किया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ में बनने वाला पहला काँच का पुल होगा।

'गोठान मैप' मोबाइल ऐप

चर्चा में क्यों ?

- 20 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में गोठान प्रबंधन के लिये छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाइटी (CHiPS-चिप्स) द्वारा विकसित 'गोठान मैप'(गोठान मल्टी ऐक्टिविटी एवं आजीविका प्रबंधन) मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इस ऐप द्वारा गोबर खरीदी, गोठान विवरण, चारागाह और पैरादान, स्व-सहायता समूह की गतिविधियों की जानकारी, अधोसंरचना आदि का संपूर्ण विवरण एक क्लिक पर प्राप्त होगा।
- उल्लेखनीय है कि चिप्स द्वारा इन-हाउस विकसित ऐप में संपूर्ण राज्य में संचालित गोठानों का गोठानवार डाटाबेस होगा, जिसमें गोठानो में उपलब्ध संसाधन, गतिविधियाँ, हितग्राहियों एवं सेवाओं आदि का विवरण होगा। जियो-टैगिंग के माध्यम से गोठानों की डिजिटल मैपिंग की जाएगी, जिससे गोठानों के संसाधनों का सतत् लेखा-जोखा उपलब्ध होगा।
- प्रत्येक गोठान में स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित मल्टी एक्टिविटी का डाटाबेस तैयार होगा। इस फ्रेमवर्क से गोठानों के मुख्य सूचकांकों की सटीक निगरानी हो सकेगी। इससे गोठानों में उत्पादित सामग्री की उपलब्धता एवं विपणन और लाभार्थियों का लेखा-जोखा उपलब्ध होगा।
- ऐप में राज्य शासन के लिये गोठान से जुड़ी गोठान समितियों और स्व-सहायता समूहों दोनों के लिये मज़बूत डिजिटल मूल्यांकन तंत्र और सटीकता सुनिश्चित करने वाले गोठान केंद्रित डाटाबेस उपलब्ध होगा। इस डाटाबेस के आधार पर गोठानों में भविष्य में की जाने वाली गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी।

नोट :

- गोठान में आय सृजन गतिविधियों की प्रवृत्ति और प्रदर्शन की निगरानी के माध्यम से आजीविका के नवीन स्रोतों की पहचान होगी। इससे हितधारकों की आय वृद्धि होगी और सूक्ष्म उद्योग की योजना बनाने तथा संवर्धन की संभावना बढ़ेगी।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बना मलेशियाई विश्वविद्यालय का भागीदार

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ स्थित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, 'सतत् खाद्य प्रणाली की दिशा में अनुसंधान और नवाचार'विषय पर मलेशिया के केलानटन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नातकोत्तर संगोष्ठी में एक अंतर्राष्ट्रीय भागीदार बना।

प्रमुख बिंदु

- केलानटन विश्वविद्यालय के कृषि आधारित उद्योग के संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय भागीदार बनने के लिये गुरु घासीदास विश्वविद्यालय को प्रशंसा-पत्र जारी किया गया है।
- यह सम्मेलन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज और केलानटन विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था।
- योग्यकार्ता विश्वविद्यालय (इंडोनेशिया), योगी वेमना विश्वविद्यालय, (आंध्र प्रदेश), प्रिंसेस ऑफ नरधिवास विश्वविद्यालय, (थाईलैंड) और विक्रम सिंहपुरी विश्वविद्यालय, (आंध्र प्रदेश) भी सहयोगी के रूप में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के अंतर्गत गरियाबंद ज़िला का चयन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारत सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पी.एम.एफ.एम.ई) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के गरियाबंद ज़िले का चयन हुआ है। ज़िले का चयन लघु वनोपजों के उत्पादन, संग्रहण और इनकी गुणवत्ता को देखते हुए किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस संबंध में आयोजित कार्यशाला में वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल ने कहा कि ज़िले में पिछले वर्ष 26 हज़ार क्विंटल लघु वनोपजों का संग्रहण किया गया है। इससे संग्राहकों को 15 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है।
- उन्होंने बताया कि संग्रहण के पश्चात् वनधन केंद्रो में प्रसंस्करण का सिस्टम बनाया गया है। ज़िले में संजीवनी केंद्रों के माध्यम से इसका विक्रय किया जा रहा है। इस वर्ष लगभग 3 हज़ार क्विंटल चिरौंजी का संग्रहण किया गया है।
- कार्यशाला में कलेक्टर निलेश क्षीरसागर ने कहा कि ज़िले में लाख, चिरौंजी, सरई बीज का बहुतायत मात्रा में उत्पादन होता है। यहाँ के सरई बीजों का विदेशों में भरपूर मांग है। ज़िले में मिनी फूड पार्क और प्रसंस्करण केंद्र खोलने की तैयारी की जा रही है।
- ज़िला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने बताया कि बिहान अंतर्गत ज़िले में 8 हज़ार 500 समूह गठित किये गए हैं, जो अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से आय अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 241 महिला सदस्यों का चयन किया गया है, जिनके लिये 60 लाख रुपए उद्योग विभाग द्वारा जारी किये जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत व्यक्तिगत निवेशक को परियोजना लागत का 35 प्रतिशत की दर से अधिकतम 10 लाख रुपए पूंजीगत अनुदान मिलेगा। स्वयं सहायता समूहों के प्रति सदस्यों को अधिकतम 40 हज़ार रुपए की पूंजी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा किसान उत्पादक संगठन को 35 प्रतिशत की दर से पूंजी अनुदान दिये जाएंगे।

नोट :

छत्तीसगढ़ के सभी परिवहन कार्यालयों में होगा सेंसर आधारित ड्राइविंग टेस्ट ट्रेक

चर्चा में क्यों ?

- 23 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में हुई परिवहन विभाग की बैठक में राज्य के सभी परिवहन कार्यालयों में सेंसर आधारित ऑटोमेटेड कंप्यूटराइज्ड ड्राइविंग टेस्ट ट्रेक बनाए जाने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्य सचिव जैन ने बैठक में राज्य के सभी ज़िलों में ऑटोमेटेड कंप्यूटराइज्ड ड्राइविंग टेस्ट ट्रेक का निर्माण करने और वाहनों के पार्क्रिंग प्रक्रिया को ड्राइविंग टेस्ट में अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश दिये।
- ड्राइविंग लाइसेंस पाने के लिये वाहन चालकों को इस कंप्यूटराइज्ड ड्राइविंग टेस्ट को पास करना होगा।
- बैठक में परिवहन विभाग के अपर आयुक्त दीपांशु काबरा ने बताया कि ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट से सड़क हादसों में कमी आएगी। ड्राइविंग टेस्ट के सभी चरणों को सफलतापूर्वक पास करने वाले वाहन चालकों के ही ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाएंगे।
- दिल्ली और गुजरात राज्य में ऑटोमेडेट ड्राइविंग टेस्ट ट्रेक के सफल परिणामों के देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य में भी इसे अपनाया जा रहा है।

'छत्तीसगढ़ हर्बल्स'के स्टॉल को अंतर्राष्ट्रीय हर्बल मेला में मिला प्रथम स्थान

चर्चा में क्यों ?

- 22 से 26 दिसंबर, 2021 तक मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय हर्बल मेला में 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स'के स्टॉल को प्रथम स्थान हासिल हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस मेले में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स'का स्टॉल लगाया गया था। मेले में छत्तीसगढ़ हर्बल्स के 120 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। ये उत्पाद राज्य के नैसर्गिक वनों पर उत्पन्न होने वाली ऐसी लघु वनोपजों से तैयार किये जाते हैं, जो जैविक-प्रमाणित होती हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय हर्बल मेला में छत्तीसगढ़ के हर्बल उत्पादों के स्टॉल को प्रथम स्थान प्राप्त होने के साथ ही राज्य को एक और विशेष उपलब्धि हासिल हुई है। मध्य प्रदेश के वन मंत्री ने भी छत्तीसगढ़ हर्बल्स के स्टॉल का अवलोकन कर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के कार्यों और इनके उत्पादों की सराहना की।
- मेले में 23 दिसंबर को आयोजित क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में राज्य के कच्चे लघु वनोपज के थोक विक्रय हेतु लगभग एक करोड़ रुपए की राशि के अनुबंध किये गए, जिसमें हर्रा कचरिया, बहेड़ा कचरिया, साबुत हर्रा, साबुत बहेड़ा तथा कालमेघ जैसी वनोपज सम्मिलित हैं।
- मेले में छत्तीसगढ़ हर्बल्स विक्रय श्रृंखला का मध्य प्रदेश राज्य में विस्तार करने के प्रयासों को भी अच्छी सफलता प्राप्त हो रही है तथा निकट भविष्य में 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स'के उत्पादों का विक्रय मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में होने की संभावना बढ़ गई है।
- छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ ने बताया कि छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों के निर्माण में लगने वाली लघु वनोपजों का संग्रहण राज्य के वनों तथा उसके आसपास रहने वाले आदिवासी एवं अन्य ग्रामीण समुदायों द्वारा किया जाता है। इन संग्राहकों में महिलाओं की संख्या अधिक होती है।
- वनों से संग्रहित इन वनोपजों के प्राथमिक प्रसंस्करण के उपरांत उसे वन-धन केंद्रों में लाया जाता है, जहाँ उनका प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन कर उच्च गुणवत्ता के उत्पाद निर्मित किये जाते हैं। इन उत्पादों का विक्रय 'संजीवनी विक्रय केंद्र'के माध्यम से तथा अमेजॉन, फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से किया जाता है।
- छत्तीसगढ़ में लघु वनोपजों के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के इस कार्य में 7000 से अधिक महिला स्वसहायता समूह कार्यरत् हैं, जिनमें से अधिकांश अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं।

नोट :

सुशासन सूचकांक 2021 में छत्तीसगढ़

चर्चा में क्यों ?

- 25 दिसंबर, 2021 को सुशासन दिवस पर केंद्र सरकार द्वारा जारी सुशासन सूचकांक (गुड गवर्नेंस इंडेक्स), 2021 में ग्रुप बी के राज्यों में 'सामाजिक कल्याण और विकास'में छत्तीसगढ़ पहले स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की ओर से तैयार इस इंडेक्स को राज्यों को सुशासन की कसौटी पर कसने के लिये जारी किया गया है।
- इस सूचकांक में गुजरात शीर्ष पर है, जबकि दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमश: महाराष्ट्र और गोवा हैं। सूचकांक के मुताबिक, 20 राज्यों ने वर्ष 2021 के समग्र जीजीआई अंकों में सुधार किया है।
- जीजीआई-2021 में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को चार श्रेणियों- समूह ए, समूह बी, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश में बाँटकर रैंकिंग दी गई है। जीजीआई-2021 तैयार करने के लिये 10 क्षेत्रों के 58 संकेतकों पर विचार किया गया है।
- छत्तीसगढ़ में पिछले तीन सालों में योजनाओं के माध्यम से सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य किया गया है। इन विकास कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना भी मिल रही है। यही वजह है कि सामाजिक कल्याण और विकास के मापदंडों में छत्तीसगढ़ ग्रुप बी के राज्यों में टॉप पर है।

'कहत कबीर' पुस्तक

चर्चा में क्यों ?

- 27 दिसंबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में संत कबीर के दोहों पर केंद्रित पुस्तक 'कहत कबीर'का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- कबीर विकास संचार अध्ययन केंद्र, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में पहली बार संत कबीर के 24 लोकप्रिय दोहों को कार्टून के माध्यम से व्यक्त किया गया है।
- मुख्यमंत्री ने इस पुस्तक में किये गए अभिनव प्रयोग की सराहना करते हुए कहा कि संत कबीर के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में यह प्रयास सार्थक साबित होगा।
- पुस्तक के प्रकाशन पर कबीर शोध संस्थान के अध्यक्ष कुणाल शुक्ला ने बताया कि इस पुस्तक में संत कबीर के 24 दोहों पर आधारित 24 व्यंग चित्र हैं, जो अनूठे हैं। नई पीढ़ी को कबीर के दोहों को समझने में यह पुस्तक सहयोगी साबित होगी।

देश का प्रथम 'स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र'

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य प्रदेश के डॉ. हरी सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर में प्रारंभ किये गए देश के प्रथम स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र के संचालन के लिये छत्तीसगढ़ परंपरागत वनौषधि प्रशिक्षित वैद्य संघ द्वारा सहयोग और मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- पारंपरिक वैद्यकीय ज्ञान आधारित चिकित्सा पद्धति की वैज्ञानिक प्रामाणिकता सिद्ध करने एवं दुर्लभ वनौषधियों के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के उद्देश्य से यह अध्ययन केंद्र प्रारंभ किया गया है।

नोट :

- इस केंद्र के संचालन के लिये छत्तीसगढ़ परंपरागत वनौषधि प्रशिक्षित वैद्य संघ और डॉ. हरी सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर के बीच 24 दिसंबर को एमओयू किया गया था।
- डॉ. हरी सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने अध्ययन केंद्र के शुभारंभ अवसर पर कहा कि इस केंद्र के संचालन के लिये विश्वविद्यालय हर संभव मदद करेगा और यहाँ विलुप्त हो रहीं वनौषधियों के संरक्षण केंद्र के लिये विश्वविद्यालय परिसर में ही 10-20 एकड़ भूमि आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी।
- लोक स्वास्थ्य परंपरा संवर्धन अभियान भारत के राष्ट्रीय समन्वयक वैद्य निर्मल अवस्थी ने बताया कि यह केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित किया जाएगा। भारत का यह ऐसा पहला स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र होगा, जहाँ संपूर्ण भारत की लोक स्वास्थ्य परंपरा की वैज्ञानिक प्रामाणिकता सिद्ध करने हेतु पहल की जाएगी। विश्वविद्यालय में इसके लिये अलग से विभाग बनाया गया है, जिसे यूजीसी से मान्यता मिल चुकी है।
- इस अध्ययन केंद्र में विद्यार्थियों को अनुसंधान हेतु मदद एवं पारंपरिक वैद्यों की उपचार पद्धति को वैज्ञानिक प्रमाणिकता मिल सकेगी। यह कार्य वैद्यों के परिवार की सतत् आजीविका विकास में सहायक सिद्ध होगा, दूसरी ओर आम जनमानस को असाध्य बीमारियों में वनौषधि चिकित्सा पद्धति का लाभ मिल सकेगा।
- अवस्थी ने बताया कि इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के 25 ख्यातिप्राप्त पारंपरिक नाड़ी विशेषज्ञ वैद्य शामिल हुए। बस्तर, बिलासपुर एवं रायपुर के ख्यातिप्राप्त पारंपरिक वैद्यों ने आँखों से जाला निकाल कर वैज्ञानिकों को हतप्रभ कर दिया।

नीति आयोग स्वास्थ्य सूचकांक 2021 में छत्तीसगढ़

चर्चा में क्यों ?

- 27 दिसंबर, 2021 को सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने 2019-20 के लिये अपने स्वास्थ्य सूचकांक का चौथा संस्करण जारी किया, जिसमें समग्र स्वास्थ्य प्रदर्शन के आधार पर राज्यों की रैंकिंग की गई। इसमें बड़े राज्यों में समग्र स्वास्थ्य प्रदर्शन के मामले में छत्तीसगढ़ 10वें स्थान पर है, वहीं केरल शीर्ष पर है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट को तीन भागों में बाँटा गया था- बड़े राज्य, छोटे राज्य और केंद्रशासित प्रदेश। छोटे राज्यों में मिज़ोरम सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य रहा जबकि नागालैंड सबसे नीचे रहा।
- नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रशासित प्रदेशों में चंडीगढ़ शीर्ष पर है, उसके बाद दादरा और नगर हवेली दूसरे नंबर पर तथा दिल्ली तीसरे नंबर पर है।
- बड़े राज्यों में समग्र स्वास्थ्य प्रदर्शन के मामले में छत्तीसगढ़ 50.70 स्कोर के साथ 19 राज्यों में 10वें स्थान पर है। वहीं केरल 82.20 स्कोर के साथ पहले, तमिलनाडु 72.42 स्कोर के साथ दुसरे एवं तेलंगाना 69.96 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर हैं।
- नीति आयोग का स्वास्थ्य सूचकांक एक भारित समग्र स्कोर है, जिसमें स्वास्थ्य प्रदर्शन के प्रमुख पहलुओं को शामिल करते हुए 24 संकेतक हैं।

मुख्यमंत्री ने किसान सम्मेलन में किसानों को किया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 28 दिसंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बालोद ज़िले के डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम गोडमर्रा में आयोजित किसान सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम स्थल पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया।
- उन्होंने डौंडीलोहारा विकासखंड के धंसू राम और चंद्र कुमार को गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गोबर बिक्री के लिये सम्मानित किया।
- सम्मेलन में पीपरखारना गौठान के गोधन महिला स्वसहायता समूह तथा टटेंगा गौठान के गायत्री महिला स्व सहायता समूह को जैविक खाद निर्माण के लिये सम्मानित किया गया।
- राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत धान के बदले अन्य फसल लेने वाले भेड़ी ग्राम के किसान डामन लाल और हीरा लाल तथा पिनकापार के किसान श्यामलाल और संजीव चौधरी को सम्मानित किया गया। डामन लाल और हीरा लाल धान के बदले 0.50 हेक्टेयर में केला तथा श्यामलाल और संजीव चौधरी 0.40 हेक्टेयर में सुगंधित धान की फसल ले रहे हैं।
- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गोडमर्रा-सुरेगाँव तक 3.50 किलोमीटर सड़क निर्माण, गोडमर्रा पाट का सौंदर्यीकरण, खरखरा जलाशय का नामकरण भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. राजीव गांधी के नाम पर तथा खरखरा-मोहदी पाट परियोजना का नामकरण दाऊ प्यारेलाल बेलचंदन के नाम पर करने की घोषणा की।
- गौरतलब है कि प्रदेश में लगभग 8 हज़ार गौठानों में गोबर खरीदी की जा रही है। गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, गौ काष्ठ, दीये, गमला जैसे कई उत्पाद बनाए जा रहे हैं। गोबर से पेंट बनाने के लिये एमओयू किया गया है। गौठानों में इससे बिजली बनाने का भी काम चल रहा है।

गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय परेड के लिये छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना की झाँकी चयनित

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्रीय रक्षा मंत्रालय की उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति ने राजपथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड समारोह के लिये छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना को अपनी हरी झंडी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- इस समिति में देश के प्रमुख शिल्पज्ञ, पेंटर, फोटोग्राफर, संगीतज्ञ, गायक और अन्य विधाओं के विशेषज्ञ सदस्य शामिल थे।
- जनसंपर्क आयुक्त दीपांशु काबरा ने बताया कि समिति ने आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर बनाई गई थीम इंडिया/75 न्यू आईडिया के तहत इसका चयन किया है। देश के सभी राज्यों में से केवल 12 राज्यों को ही इस बार राजपथ पर अपने राज्य की झाँकी के प्रदर्शन का अवसर मिला है।
- गोधन न्याय योजना पर केंद्रित छत्तीसगढ़ की झाँकी ग्रामीण संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से एक साथ अनेक वैश्विक चिंताओं के समाधानों के लिये विकल्प प्रस्तुत करेगी।
- झाँकी में प्रदेश में विकसित हो रही जल प्रबंधन प्रणालियों, बढ़ती उत्पादकता और खुशहाल किसान को भित्ती-चित्र शैली में दिखाया जाएगा। इसी क्रम में गोबर से बनी वस्तुओं और गोबर से वर्मी कंपोस्ट तैयार करती स्व सहायता समूहों की महिलाओं को भी झाँकी में प्रदर्शित किया जाएगा।
- झाँकी के अग्रभाग में गाय के गोबर को इकट्ठा करके उन्हें विक्रय के लिये गौठानों के संग्रहण केंद्रों की ओर ले जाती ग्रामीण महिलाओं को दर्शाया जाएगा। ये महिलाएँ पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में होंगी, जो हाथों से बने कपड़े और गहने पहने हुए होंगी।
- इन्हीं में से एक महिला को गोबर से उत्पाद तैयार कर विक्रय के लिये बाज़ार ले जाते दिखाया जाएगा। महिलाओं के चारों ओर फूलों के गमलों की सजावट की जाएगी, जो गोठानों में साग-सब्ज़ियों और फूलों की खेती के प्रतीक होंगे। नीचे की ओर गोबर से बने दीयों की सजावट की जाएगी। ये दीये ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आए स्वावलंबन और आत्मविश्वास को प्रदर्शित करेंगे।
- झाँकी के पृष्ठ भाग में गौठानों को रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क के रूप में विकसित होते दिखाया जाएगा। इसमें दिखाया जाएगा कि नई तकनीकों और मशीनों का उपयोग करके महिलाएँ किस तरह स्वयं की उद्यमिता का विकास कर रही हैं, गाँवों में छोटे-छोटे उद्योग संचालित कर रही हैं।

नोट :

- मध्य भाग में दिखाया जाएगा कि गाय को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र में रखकर किस तरह पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, पोषण, रोज़गार और आय में बढ़ोतरी के लक्ष्यों को हासिल किया जा रहा है।
- सबसे आखिर में चित्रकारी करती हुई ग्रामीण महिला को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक शिल्प और कलाओं के विकास की प्रतीक के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्यस्तरीय क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता का समापन

चर्चा में क्यों ?

- 29 दिसंबर, 2021 को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की तीनदिवसीय राज्यस्तरीय क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता का समापन पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में किया गया। प्रतियोगिता में बस्तर संभाग ओवर ऑल चैंपियन रहा।

प्रमुख बिंदु

- राज्य खेल प्रतियोगिता में बस्तर संभाग ने प्रथम, सरगुजा ने द्वितीय और बिलासपुर संभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।
- इसी प्रकार सांस्कृतिक और बौद्धिक प्रतियोगिता में 14 वर्ष से कम आयु वर्ग और 19 वर्ष तक के आयु वर्ग समूह के लिये सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग ने प्रथम स्थान, दुर्ग संभाग ने द्वितीय और रायपुर सभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- राज्य के अनुसूचित जाति और जनजाति विकास मंत्री डॉ. प्रेम साय सिंह टेकाम ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये।
- अनुसूचित जाति और जनजाति विकास विभाग के सचिव डी.डी. सिंह ने कहा कि राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में 15 हज़ार से अधिक बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। क्रीड़ा प्रतियोगिता में 16 प्रकार की खेल विधाओं में प्रतिभागियों ने प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता 14 वर्ष और 19 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में बालक और बालिकाओं के लिये आयोजित की गई।
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग की आयुक्त शम्मी आबिदी ने बताया कि प्रदेश में कुल 71 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जिसमें बस्तर संभाग में 29, सरगुजा संभाग में 21, बिलासपुर संभाग में 11, दुर्ग और रायपुर संभाग में 5-5 विद्यालय हैं इनमें 10 कन्या, 6 बालक और 55 संयुक्त विद्यालय हैं।
- राज्यस्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, बैंडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, फुटबाल, हैंडबाल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, तैराकी, ताईक्वांडो, वालीबॉल, तीरंदाजी, कराटे, कुश्ती, टेबल टेनिस शामिल हैं।
- इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अंतर्गत संगीत, नृत्य और बौद्धिक प्रतियोगिता के अंतर्गत तात्कालिक भाषण, निबंध, वाद-विवाद, प्रश्न मंच, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता को शामिल किया गया।

नए साल से स्कूलों में भाषा और गणितीय कौशल के लिये चलेगा अभियान

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ के शिक्षा विभाग ने बताया कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बुनियादी शिक्षा और गणित की विशेष पढ़ाई के लिये नए वर्ष से अभियान चलाया जाएगा। सौ दिनों तक चलने वाले इस अभियान में कक्षा आठवीं तक के बच्चों को दक्ष बनाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सभी ज़िला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य डाईट, ज़िला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा को इस संबंध में निर्देश जारी किये गए हैं। निर्देश में अभियान में 14 सप्ताह के लिये भाषा और गणित की गतिविधियाँ सुझाई गई हैं।

नोट :

- सभी ज़िले एवं विकासखंड अपने-अपने स्तर पर भाषा और गणित संबंधी प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनिटी (पीएलसी) के सामग्री तैयार करेंगे।
- उल्लेखनीय है कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान राज्य में शिक्षकों ने स्कूली बच्चों के अध्ययन को जारी रखने के लिये 'पढ़ई तुंहर दुआर'के अंतर्गत नवाचार किया। दूसरे वर्ष पढ़ई तुंहर दुआर-2.0 के अंतर्गत पढ़ना, लिखना, गणित, विज्ञान के प्रयोग एवं समूह के प्रोजेक्ट बनाने का अभ्यास करवाते हुए संकुल से लेकर ज़िला स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- इन प्रतियोगिताओं में समुदाय एवं पालकों के बीच से निर्णायकों का चयन किया गया। इससे राज्य के स्कूलों में अच्छा माहौल बना, जिसे आगे जारी रखने के लिये यह कार्यक्रम लागू करने की योजना बनाई गई है।
- स्थानीय स्तर पर प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनिटी (पीएलसी) के माध्यम से सप्ताहवार, विषयवार सामग्री को विस्तारित कर रोचक गतिविधियों को डिज़ाइन कर स्थानीय स्तर पर अग्रिम रूप से स्कूलों को सोशल मीडिया के ज़रिये पाठ्य सामग्री प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी।
- निर्देश में कहा गया है कि माह जनवरी 2022 का चर्चा पत्र बुनियादी साक्षरता एवं गणितीय कौशल पर आधारित है। सभी विकासखंड के लिये स्थानीय सामग्री को शिक्षकों के माध्यम से एकत्र कर सकेंगे। प्रत्येक विकासखंड में चर्चा पत्र के आधार पर एक विस्तारित सामग्री एकत्र कर स्कूलों में शिक्षकों को उपलब्ध कराई जाएगी।
- प्रति सप्ताह निर्धारित बिंदुओं पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग और अकादमिक समर्थन संकुल समन्वयकों, शाला संकुल प्राचार्यों, विकासखंड-स्तरीय अधिकारियों, डाईट एवं ज़िला-स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से किया जाए।
- सभी स्कूलों में इन निर्धारित बिंदुओं में बच्चों के साथ कार्य किया जाएगा। एक दल गठित कर प्रति सप्ताह कुछ सैम्पल क्षेत्रों में बच्चों के साथ उनकी उपलब्धि में हो रहे सुधारों की निगरानी की जाएगी। साथ ही उनकी जानकारी का गहराई से अध्ययन कर पालकों एवं समुदाय के समक्ष अपने सीखे हुए बिंदुओं पर समय-समय पर प्रदर्शन भी किया जाएगा।

The Vision

नोट :